फिटनेस टेस्ट • सुराना कालेज में आयोजित शिविर में देखी गई बच्चों की योग्यता

स्पेशल ओलिंपिक के लिए 15 खेलों में तैयार किए जाएंगे जिले के 214 दिव्यांग खिलाड़ी

स्पोर्ट्स रिपोर्टर | दुर्ग

पहली बार दिव्यांग बच्चों के आयोजित होने वाली स्पेशल ओलिंपिक खेल प्रतियोगिता के लिए 214 दिव्यांगों को तैयार किया जाएगा। प्राइमरी स्कूल के दिव्यांग बच्चों से लेकर 40 साल तक के लोग भी इस खेल प्रतियोगिता के हिस्सा होंगे।

सुराना कालेज में इस खेल प्रतियोगिता के लिए जिलेभर से आए दिव्यांगों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन सभी को उनके फिटनेस के हिसाब से खेल तय किए जाएंगे और उस खेल का अभ्यास स्पेशल ओलंपिक भारत छत्तीसगढ़ व भारत शारीरिक एसोसिएशन के द्वारा करवाया जाएगा। दिव्यांग खिलाड़ियों को 15 खेलों की ट्रेनिंग दी जाएगी और उसके बाद उनको इस खेल के लिए तैयार किया जाएगा। जिसमें फ्लोर बॉल, फ्लोर हॉकी, वालीबॉल, पावर लिफ्टिंग, बैडमिंटन, बोच्ची, स्केटिंग, स्वीमिंग, एथलेटिक्स, टेबलटेनिस, स्नो सोविंग, स्नो ड्राइविंग, फुटबॉल शामिल है।

दुर्ग के सुराना कॉलेज में दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित हुई फिटनेस टेस्ट का कैंप।

रांची व पटना से आए डॉक्टरों ने की जांच

शिविर में दिव्यांग बच्चों की मानसिक जांच रांची से आए चिकित्सक डॉ. आसिफ, दांतों की जांच पटना के डॉ. अभिजीत ने किया। मुख्य अतिथि रजनी बघेल थी। विशेष अतिथि जिला शिक्षण समिति अध्यक्ष प्रवीण तिवारी, प्राचार्य सुराना कालेज डॉ. डीएन सूर्यवंशी, एरिया डॉयरेक्टर अरूंधति कुलकर्णी आदि रहे।

टेस्ट के बाद 80 दिव्यांगों को दी जाएगी विशेष ट्रेनिंग

आयोजकों के मुताबिक फिटनेस टेस्ट में खेलों के हिसाब से बच्चों सहित 80 दिव्यांगों को विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें सरकारी, निजी स्कूल और समाज कल्याण विभाग के हितग्राही दिव्यांग शामिल हैं। दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, पाटन और धमधा ब्लॉक से दिव्यांगों को यहां लाया गया था। जिला शिक्षा विभाग द्वारा बसों की व्यवस्था हुई।

स्पोर्ट्स से जुड़ेंगे शिक्षक और एमआर काउंसलर

स्पेशल ओलंपिक खेल प्रतियोगिता पहले जिला स्तर पर आयोजित होनी है। इसलिए सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और एमआर काउंसलरों को भी दिव्यांग को खेल सिखाने के लिए आयोजक पहले कोचिंग देंगे। उनके द्वारा हर स्कूल स्तर पर संकुल स्तर पर नियत समय व दिन के हिसाब से खेल का अभ्यास करवाएंगे।

400 की जगह 241 बच्चे ही पहुंचे इस शिविर में

आयोजकों ने जिलेभर से 400 दिव्यांग बच्चों को इस शिविर में लाने का टारगेट रखा था लेकिन 241 को ही लाया जा सका। इसमें भी करीब 80 दिव्यांग समाज कल्याण विभाग के हितग्राही हैं। जिला शिक्षा विभाग द्वारा परिवहन का इंतजाम किए जाने के बाद भी बच्चों की कम उपस्थिति रही। बच्चों के साथ पालक भी यहां आए थे। पालकों को जागरूक किया गया कि वे अपने बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने में सहयोग करें। ये बच्चे भी सामान्य बच्चों की भांति अपने प्रदेश और देश का नाम रोशन करने की माद्दा रखते हैं।

टेस्ट लेने के बाद सभी को खेल के लिए करेंगे मोटिवेट

टेस्ट के बाद सभी को मोटिवेट भी किया जाएगा। मौके पर स्पेशल ओलंपिक भारत चेयरमेन दीपक कुलकर्णी, सहायक एरिया डॉयरेक्टर डॉ. प्रमोद तिवारी आदि उपस्थित थे।

Scanned by CamScanner